Case pending Before NCDRC

*269. *SHRIMATI JAYAPRADA NAHATA*: Will the Minister of FOOD AND CONSUMER AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of cases pending before the National Consumer Disputes and Redressal Commission (NCDRC);

(b) whether the work of the Commission is at a standstill as its President was not provided accommodation due to which he had left Delhi; and

(c) the action taken by Government in this regard?

THE MINISTER OF CHEMICALS & FERTILIZERS AND THE MINISTER OF FOOD AND CONSUMER AFFAIRS (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) 5.809 cases were pending before the National Consumer Disputes Redressal Commission (NCDRC) as on 1st June, 1998.

(b) The Commission is working on a regular basis and has its full complement of Members including the President.

(c) Does not arise.

उर्वरकों के उत्पादन में गिरावट

271. श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ल: क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या गत कई वर्षों से देश में उर्वरको के उत्पादन में लगातार गिरावट आई है जिसके परिणामस्वरूप उर्वरकों की मांग को पूरा करने के लिए देश को उर्वरकों के आयात पर निर्भर करना पड़ रहा है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने इस स्थिति का कोई व्यापक मूल्यांकन किया है तथा इस संकट के मूलभूत कारणों का पता लगाया है;

(ग) उर्वरकों के आयात पर प्रतिवर्ष कितनी धनराशि खर्च करनी पड़ रही है; और

(घ) क्या सरकार ने कोई व्यापक योजना बनाई है और सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उपक्रमों में उर्वरकों का उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेषज्ञों से सुझाव आमंत्रित किए हैं?

रसायन और उर्वरक मंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री (सरदार सुरजीत सिंह बरनाला): (क) और (ख) गत तीन वर्षों के दौरान उर्वरक पोषकों के उत्पादन में 25: वृद्धि दर्ज हुई है जैसा कि नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है।

उर्वरक पोषकों का उत्पादन

(लाख टन में)

वर्ष	नाईट्रोजन	फास्फेट	योग
1994-95	79.45	24.93	104.38
1995-96	87.77	25.58	113.35
1996-97	85.99	25.56	111.55
1997-98	100.86	29.75	130.61

उस समय जब गैस की आपूर्ति में आवर्ती बाधओं और गम्भीर उपकरण समस्याओं के कारण कुछ संयंत्रों में नाइट्रोजनयुक्त उर्वरक के उत्पादन में हानि हुई तो 1996-97 के दौरान 16% की मामूली सी कमी हुई थी और कुछ फास्फेट उर्वरक एककों को मांग स्थिरता धनाभाव और विशेष रियायत की उपलब्धता/स्तर की अनिश्चितता के कारण खरीफ 1996 मौसम के दौरान उपने उत्पादन में कटौती करनी पड़ी थी।

(ग) सरकारी खाते में यूरिया आयातों का लागत एवं भाड़ा मूल्य और इस शीर्ष के तहत शुद्ध सब्सिडी व्यय नीचे दिया गया है:-

(रुपये करोड़ों में)

वर्ष	कुल लागत एवं भाड़ा मूल्य	आयातित यूरिया पर सब्सिडी
1995-96	2840.13	1935.00
1996-97	1701.75	1163.08
1997-98	1296.57	729.36

अन्य असरणीबद्ध उर्वरकों के आयात निजी व्यवसाय खाते में किये जा रहे हैं।

नियंत्रणमुक्त फास्फेटिक और पोटाशिक उर्वरकों की बिक्री पर कृषि मंत्रालय द्वारा संचालित रियायत स्कीम आयातित उर्वरकों पर भी लागू होती है। आयातित फास्फेटिक और पोटाशिक उर्वरकों के सम्बन्ध में रियायतों पर व्यय की गई धनराशि इस प्रकार है:-